राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • शनिवार • 23 मार्च • 2024

कृषि वैज्ञानिकों के प्रशिक्षण का समापन

प्रशिक्षण के समापन पर कृषि वैज्ञानिक को प्रमाण पत्र देते अतिथि व अन्य। फोटो : एसएनबी

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आयोजित कृषि वैज्ञानिकों के प्रशिक्षण का समापन प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर हुआ। समापन अवसर पर डॉ. राम बटुक सिंह ने फल उत्पादन में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन विषय पर जानकारी दी। जबकि डॉ. वाईपी मलिक ने कृषि फसलों में लगने वाले रोगों और कीड़े के प्रबंधन की जानकारी दी। डॉ. सीपी सचान ने दलहन, तिलहन और खाद्यान्न फसलों में बीज उत्पादन के सैद्धांतिक तकनीकी विषय पर चर्चा की। प्रोफेसर डॉ. महक सिंह ने रबी व खरीफ की तिलहनी फसलों की वैज्ञानिक खेती पर विस्तार से कृषि वैज्ञानिकों के साथ चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में निदेशक प्रसार डॉ. आरके यादव ने सभी वैज्ञानिकों से कहा कि उन्होंने जो नवोन्मेषी तकनीकी सीखी हैं, उन्हें कृषकों के प्रक्षेत्रों पर अवश्य प्रयोग करें। अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर डॉ. एसएल वर्मा सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

R.N.i.NO.
UPHIN/2008/
29355
डाक पंजीकन
संख्या KANPUR
Cty 328/2012

दैनिक
वक्त दर्शन

कानपुर से प्रकाशित, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, पंजाब, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र एवं दिल्ली, मुम्बई, तेलंगा

वर्ष: 16 अंक :64 कानपुर, शनिवार 23 मार्च 2024 पृष्ठ : 4

दो दिवसीय कृषि वैज्ञानिकों का प्रशिक्षण हुआ समाप्त वितरित किए गए प्रमाण पत्र

कानपुर नगर , वक्त दर्शन संवाददाता हरिओम, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आयोजित कृषि वैज्ञानिकों हेतु प्रशिक्षण का समापन प्रमाण पत्र देकर हुआ। इस समापन अवसर पर डा.राम बटुक सिंह ने फल उत्पादन में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन विषय पर जानकारी दी । डॉक्टर वाई पी मलिक ने मुख्य फसलों में लगने वाले रोग एवं कीड़ों के प्रबंधन विषय पर जानकारी दी। डॉक्टर सी पी सचान ने दलहन,तिलहन एवं खाद्यान्न फसलों में बीज उत्पादन के सैद्धांतिक तकनीकी विषय पर प्रकाश डाला।प्रोफेसर डॉक्टर महक सिंह ने रवी एवं खरीफ तिलहनी

फसलों की वैज्ञानिक खेती पर विस्तार से कृषि वैज्ञानिकों को बताया। कार्यक्रम के अंत में निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने सभी वैज्ञानिकों से कहा कि उन्होंने जो नवोन्मेषी तकनीकी सीखी हैं उन्हें कृषकों के प्रक्षेत्रों पर अवश्य प्रयोग करें। अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।इस अवसर पर डॉक्टर एसएल वर्मा सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

सीएसए के दिलीप नगर प्रक्षेत्र पर पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान की रोपाई का हुआ सफल प्रदर्शन

कानपुर देहात से आई कई महिला कृषकों ने इस मशीन को स्वयं खेत में चलाकर धान की रोपाई की

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दलीपनगर स्थित प्रक्षेत्र पर जापानी कंपनी कुबोटा द्वारा निर्मित पैडी ट्रांसप्लांटर हस्त चालित एवं पॉवर चालित मशीन से ग्रीष्मकालीन धान की रोपाई का सजीव प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद कानपुर देहात से आई कई महिला कृषकों ने इस मशीन को स्वयं खेत में चलाकर धान की रोपाई की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय कुमार यादव ने बताया कि खेती में उन्नत तकनीकी और आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रयोग कर कम लागत में अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हाथ से रोपाई की तुलना में इन मशीनों से कम समय में अधिक क्षेत्रफल में धान की रोपाई हो जाती है। डॉक्टर यादव ने कहा कि ग्रीष्म कालीन धान की खेती में लागत कम और उत्पादन प्रति हेक्टेयर अधिक होता है।उन्होंने बताया कि इस मशीन द्वारा ढाई से तीन एकड़ खेत की 8 घंटे में रोपाई हो जाती है।जबकि मैनुअल 8 घंटे में पांच श्रमिकों द्वारा एक एकड़ खेत की रोपाई हो पाती है। उन्होंने बताया कि इस मशीन से 2200 से 2500 रुपए प्रति एकड़ खर्चा आता है जबकि मैन्युअल रोपाई करने में 4500 से 5000 प्रति एकड़ खर्चा आता है। उन्होंने बताया कि इस विधि से ढाई से तीन कुंतल प्रति एकड़ धान का उत्पादन अधिक होता है। डा.यादव ने बताया कि पैडी ट्रांसप्लांटर से धान की रोपाई करने में निश्चित तौर पर प्रदेश व देश के किसानों को प्रति हेक्टेयर अधिक लाभ होगा। क्योंकि समय व रूपए दोनों की बचत होगी। इस अवसर पर डॉक्टर अजय कुमार यादव,डॉक्टर राजेश राय,डॉक्टर मिथिलेश वर्मा, डॉक्टर खलील खान, डॉक्टर निमिषा अवस्थी, प्रक्षेत्र अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव तथा जापानी कंपनी कुबोटा के श्री वी पी सिंह, सुरेश कुंडू एवं उनकी टीम सहित शुभम् यादव, गौरव शुक्ला तथा महिला एवं पुरुष प्रगतिशील किसानों ने सहभागिता की।

email: shahardayaranews@gmail.com
दैनिक
शहर दायरा न्यूज
हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय
https://www.facebook.com/shahardayaranews/
वर्ष 9 अंक: 214 कानपुर, शनिवार 23 मार्च 2024 पृष्ठ: 8 मूल्य-2.00 ₹

सीएसए के दलीप नगर प्रक्षेत्र पर पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान रोपाई का हुआ सफल प्रदर्शन

कानपुर-चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के दलीपनगर स्थित प्रक्षेत्र पर जापानी कंपनी कुबोटा द्वारा निर्मित पैडी ट्रांसप्लांटर हस्त चालित एवं पॉवर चालित मशीन से ग्रीष्मकालीन धान की रोपाई का सजीव प्रदर्शन किया गया इस कार्यक्रम में जनपद कानपुर देहात से आई कई महिला कृषकों ने इस मशीन को स्वयं खेत में चलाकर धान की रोपाई की इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय कुमार यादव ने बताया कि खेती में उन्नत तकनीकी और आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रयोग कर कम लागत में अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है उन्होंने कहा कि हाथ से रोपाई की तुलना में इन मशीनों से कम समय में अधिक क्षेत्रफल में धान की रोपाई हो जाती है। डॉक्टर यादव ने कहा कि ग्रीष्म कालीन धान की खेती में लागत कम और उत्पादन प्रति हेक्टेयर अधिक होता है।उन्होंने बताया कि इस मशीन द्वारा ढाई से तीन एकड़ खेत की 8 घंटे में रोपाई हो जाती है।जबकि मैनुअल 8 घंटे में पांच श्रमिकों द्वारा एक एकड़ खेत की रोपाई हो पाती है। उन्होंने बताया कि इस मशीन से 2200 से 2500 रुपए प्रति एकड़ खर्चा आता है जबकि मैन्युअल रोपाई करने में 4500 से 5000 प्रति एकड़ खर्चा आता है उन्होंने बताया कि इस विधि से ढाई से तीन कुंतल प्रति एकड़ धान का उत्पादन अधिक होता है डा. यादव ने बताया कि पैडी ट्रांसप्लांटर से धान की रोपाई करने में निश्चित तौर पर प्रदेश व देश के किसानों को प्रति हेक्टेयर अधिक लाभ होगा क्योंकि समय व रूपए दोनों की बचत होगी इस अवसर पर डॉक्टर अजय कुमार यादव,डॉक्टर राजेश राय,डॉक्टर मिथिलेश वर्मा, डॉक्टर खलील खान, डॉक्टर निमिषा अवस्थी, प्रक्षेत्र अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव तथा जापानी कंपनी कुबोटा के वी पी सिंह, सुरेश कुंडू एवं उनकी टीम सहित शुभम् यादव, गौरव शुक्ला तथा महिला एवं पुरुष प्रगतिशील किसानों ने सहभागिता की।

SH न्यूज़
जुड़ने के लिए सम्पर्क करें।
9415042721, 7985956879

स्वतंत्र हित

हिन्दी दैनिक

वर्ष 8 अंक: 77 कानपुर, शनिवार 23 मार्च 2024

ाचत्र महश ात्रवदा का भट आर उत्साह का खास भावना खुाशया का उत्सव मनाया। हसत हसत फासा पर झूल सकता।सम्पूण ावश्व म

सीएसए के दलीप नगर प्रक्षेत्र पर पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान की रोपाई का हुआ सफल प्रदर्शन

स्वतंत्र हित

कानपुर नगर, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के दलीपनगर स्थित प्रक्षेत्र पर जापानी कंपनी कुबोटा द्वारा निर्मित पैडी ट्रांसप्लांटर हस्त चालित एवं पॉवर चालित मशीन से ग्रीष्मकालीन धान की रोपाई का सजीव प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद कानपुर देहात से आई कई महिला कृषकों ने इस मशीन को स्वयं खेत में चलाकर धान की रोपाई की।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय कुमार यादव ने बताया कि खेती में उन्नत तकनीकी और आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रयोग कर कम लागत में अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हाथ से रोपाई की तुलना में इन मशीनों से कम समय में अधिक क्षेत्रफल में धान की रोपाई हो जाती है। बताया कि इस मशीन द्वारा ढाई से तीन एकड़ खेत की 8 घंटे में रोपाई हो जाती है।जबकि मैनुअल 8 घंटे में पांच श्रमिकों द्वारा एक एकड़ खेत की रोपाई हो पाती है। उन्होंने बताया कि इस मशीन से 2200 से 2500 रुपए प्रति एकड़ खर्चा आता है जबकि मैन्युअल रोपाई करने में 4500 से 5000 प्रति एकड़ खर्चा आता है। इस अवसर पर डॉक्टर अजय कुमार यादव,डॉक्टर राजेश राय,डॉक्टर मिथिलेश वर्मा, डॉक्टर खलील खान, डॉक्टर निमिषा अवस्थी, प्रक्षेत्र अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव तथा जापानी कंपनी कुबोटा के श्री वी पी सिंह, सुरेश कुंडू एवं उनकी टीम सहित शुभम् यादव, गौरव शुक्ला तथा महिला एवं पुरुष प्रगतिशील किसानों ने सहभागिता की।

संकल्प परिवर्तन का

लखनऊ, शनिवार
23.03.2024
वर्षः 15
अंकः 332 पृष्ठः 08
मूल्यः 02 रुपया
स्थापितः वर्ष 2009
RNI-UPHIN/2009/28265

नवसत्ता

www.navsatta.com लखनऊ व रायबरेली से एक साथ प्रकाशित तथा समस्त उत्तर भारत में प्रसारित

दो दिवसीय कृषि वैज्ञानिकों का प्रशिक्षण हुआ समाप्त वितरित किए गए प्रमाण पत्र

संवाददाता

कानपुर नगर , 22 मार्च (नवसत्ता)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आयोजित कृषि वैज्ञानिकों हेतु प्रशिक्षण का समापन प्रमाण पत्र देकर हुआ। इस समापन अवसर पर डा.राम बटुक सिंह ने फल उत्पादन में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन विषय पर जानकारी दी । डॉक्टर वाई पी मलिक ने मुख्य फसलों में लगने वाले रोग एवं कीड़ों के प्रबंधन विषय पर जानकारी दी। डॉक्टर सी पी सचान ने दलहन,तिलहन एवं खाद्यान्न फसलों में बीज उत्पादन के सैद्धांतिक तकनीकी विषय पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर डॉक्टर महक सिंह ने रवी एवं खरीफ तिलहनी फसलों की वैज्ञानिक खेती पर विस्तार से कृषि वैज्ञानिकों को बताया। कार्यक्रम के अंत में निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने सभी वैज्ञानिकों से कहा कि उन्होंने जो नवोन्मेषी तकनीकी सीखी हैं उन्हें कृषकों के प्रक्षेत्रों पर अवश्य प्रयोग करें। अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।इस अवसर पर डॉक्टर एसएल वर्मा सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

email: shahardayaranews@gmail.com
दैनिक
शहर दायरा न्यूज
हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय
https://www.facebook.com/shahardayaranews/
वर्ष 9 अंक: 214 कानपुर, शनिवार 23 मार्च 2024 पृष्ठ: 8 मूल्य-2.00 ₹

दो दिवसीय कृषि वैज्ञानिकों का प्रशिक्षण हुआ समाप्त वितरित किए गए प्रमाण पत्र

कानपुर-चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आयोजित कृषि वैज्ञानिकों हेतु प्रशिक्षण का समापन प्रमाण पत्र देकर हुआ इस समापन अवसर पर डा. राम बटुक सिंह ने फल उत्पादन में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन विषय पर जानकारी दी जबकि डॉक्टर वाईपी मलिक ने मुख्य फसलों में लगने वाले रोग एवं कीड़ों के प्रबंधन विषय पर जानकारी दी डॉक्टर सीपी सचान ने दलहन, तिलहन एवं खाद्यान्न फसलों में बीज उत्पादन के सैद्धांतिक तकनीकी विषय पर प्रकाश डाला प्रोफेसर डॉक्टर महक सिंह ने रवी एवं खरीफ तिलहनी फसलों की वैज्ञानिक खेती पर विस्तार से कृषि वैज्ञानिकों को बताया कार्यक्रम के अंत में निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने सभी वैज्ञानिकों से कहा कि उन्होंने जो नवोन्मेषी तकनीकी सीखी हैं उन्हें कृषकों के प्रक्षेत्रों पर अवश्य प्रयोग करें अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए इस अवसर पर डॉक्टर एसएल वर्मा सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे।